



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 395]

नई दिल्ली, सोमवार, जुलाई 18, 2011/आषाढ़ 27, 1933

No. 395]

NEW DELHI, MONDAY, JULY 18, 2011/ASADHA 27, 1933

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 18 जुलाई, 2011

सं. 16/2011-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (गै.टै.)

सा.का.नि. 541(अ).—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियमावली, 2002 के नियम 12 और सेनेट क्रेडिट रूल्स, 2004 के नियम 9 के उप-नियम (7) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 23/2006-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (गै.टै.), दिनांक 12 अक्टूबर, 2006, जिसे सा.का.नि. 630(अ) दिनांक 12 अक्टूबर, 2006 के तहत प्रकाशित किया गया था, का अधिक्रमण करते हुए केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमा-शुल्क बोर्ड एतद्वारा उक्त नियमावली के लिए विमलिखित प्रपत्र विनिर्दिष्ट करता है, यथा :—

(क) माल के उत्पादन और उसको हटाने के लिये तथा सेनेट क्रेडिट के अन्य सुसंगत ब्यौरों के लिये मासिक रिटर्न द्वेषु विमलिखित प्रपत्र का प्रयोग किया जाएगा यथा :—

प्रपत्र ई.आर. 1

धूम/प्रतिलिपि

[केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियमावली, 2002 का नियम 12 और सेनेट क्रेडिट रूल्स 2004 का नियम 9(7) देखा]

महीना वर्ष

महीने के उत्पाद शुल्केय माल का रिटर्न और सेनेट क्रेडिट की प्राप्ति

अपनाने वाली बड़ी करदाता एकक/इकाई (शहर का नाम)*—

1. पूँजीकरण सं.

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

2. निर्धारिति का नाम

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

3. विनिर्माण, निकासी और देय भुगतान योग्य शुल्क का ब्यौरा :—

सेस्टी (CETSH) सं.	माल का विवरण	मात्रा की इकाई	विनिर्मित मात्रा	निकासी की गई मात्रा	निर्धारण मूल्य रु.
--------------------	--------------	----------------	------------------	---------------------	--------------------

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)

शुल्क	लागू अधिसूचना	अधिसूचना में क्र.सं.	शुल्क की दर (मूल्यानुसार)	शुल्क की दर विनिर्दिष्ट	भुगतान योग्य शुल्क	अनंतिम आकलन सं.(यदि कोई हो)
(7)	(8)	(9)	(10)	(11)	(12)	(13)
सेनेट						
अन्य शुल्क						

4. नियम 12 ख ख* के उपनियम (1) के अंतर्गत शुल्क का भुगतान किये बिना मध्यवर्ती माल के अंतर एक अंतरण का निकासी व्यौरा:-

प्राप्तकर्ता ईकाई की पंजीकरण सं.	प्राप्तकर्ता परिसर का नाम और पता	सेस्टस (CETSH) सं.	भेजे गये माल का विवरण	मात्रा की ईकाई	निकासी की गई मात्रा
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)

5. नियम 12 ख ख* के उपनियम (1) अंतर्गत अन्य परिसरों से प्राप्त मध्यवर्ती माल की प्राप्ति का व्यूहा-

प्रेषक परिसर की पंजीकरण सं.	प्रेषक परिसर का नाम और पता	सेस्टस (CETSH) सं.	प्राप्त माल का विवरण	मात्रा की इकाई	प्राप्त की गयी मात्रा
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)

6. उत्पाद शैल्क्य माल पर भुगतान किये गये शैल्क का व्यौरा:-

शुल्क का कोड	क्रेडिट खाता	चालू खाता (₹.)	चालान	बी एस आर कोड	भुगतान किया गया	
			सं.	तारीख		
(1)	(2)	(3)	(4क)	(4ख)	(5)	(6)
सेनवेट						
अन्य शुल्क						

7. चालू खाता का सार (नकद भुगतान)

संक्षिप्त व्यौरा	राशि रूपये में
(1)	(2)
प्रारम्भिक शेष	
जमा: टी आर-6/जीएआर-7 इस महीने में किया गया चालान भुगतान (कुल योग में)	
जमा* नियम 12 ख ख (एल टी के मामले में) के उपनियम (2) के अंतर्गत भुगतान किये गये अतिरिक्त शुल्क का समायोजन	
उपलब्ध कुल राशि	
घटा: इस माह के दौरान उत्पाद शुल्केय माल पर डियूटी शुल्क के भुगतान के लिए किया गया उपयोग (देखें: रिटर्न क्र.सं.(6) में कालम 3के अंतर्गत दिया गया व्यौरा)	
घटा: इस माह के दौरान किये गये अन्य भुगतान के लिए किया गया उपयोग (देखें-रिटर्न के क्रम.सं.(9) के अंतर्गत दिया गया व्यौरा)	
अंतिम शेष	

8. लिये गये सेनवेट क्रेडिट और उसके उपयोग का व्यौरा

आदानों पर दिया गया क्रेडिट							
चरण-1 या II के डीलरों द्वारा जारी किये गये बीजकों के आदानों पर लिया गया क्रेडिट							
आधातित आदानों पर लिया गया क्रेडिट							
विनिर्मा- तष्ठाँ द्वारा या चरण-1 या II के डीलरों द्वारा जारी किये गये बीजकों पर पूँजीगत माल पर लिया गया क्रेडिट							
आधातित पूँजीगत माल पर लिया गया क्रेडिट							
आदान सेवाओं पर लिया गया क्रेडिट							
बड़ी करदाता							

ब्याज							
भुगतान किया गया							
अन्य							
ब्याज							
विविध							
भुगतान							

10. स्वमूल्यांकन जापन

(क) मैं एतद्वारा घोषणा करता/करती हूं कि इस रिटर्न में दी गई जानकारी हर प्रकार से सत्य, सही और पूर्ण है और निर्धारिती की ओर से हस्ताक्षर किये जाने के लिए मैं प्राधिकृत हूं।

(ख) इस माह के दौरान कुल रुपये टी आर 6 चालान के माध्यम से जमा किये गये (प्रतियां संलग्न)।

(ग) इस माह के दौरान क्र.सं. से तक बीजक जारी किये गये।

(घ) इस माह के दौरान केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियमावली, 2002 के नियम 12ख ख के अंतर्गत स्थानांतरण चालान क्र.सं..... से तक और सेनवेट क्रेडिट रूल्स, 2004 के नियम 12क के अंतर्गत स्थानांतरण चालान क्र.सं..... से तक, जारी किये गये।*

(निर्धारिती या प्राधिकृत हस्ताक्षरी का नाम)

स्थानः

तारीखः

* केवल उन्हीं बड़े करदाताओं के लिए लागू है जो केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियमावली, 2002 के नियम 2(ड.क) में परिभाषित किये गये हैं और जिन्होंने बड़े करदाता के रूप में काम करने का विकल्प दे रखा है।

पावती

महीना

वर्ष

माह से संबंधित उत्पाद शुल्केय माल का रिटर्न और सेनवेट क्रेडिट की प्राप्ति						
---	--	--	--	--	--	--

प्राप्ति की तारीख						
-------------------	--	--	--	--	--	--

(रेंज अधिकारी का नाम और हस्ताक्षर तथा सरकारी मुहर)

निर्देश

- बड़े कर दाताओं का उन बड़ी करदाता ईकाई प्राधिकरणों जैसे कि दिल्ली, मुम्बई, कोलकाता, बंगलोर या चेन्नै के बारे में संकेत देना चाहिए जिसके अंतर्गत ऐसे बड़े करदाता ने अपना विकल्प दिया है। अपना 15 अंकवाले, पैन आधारित, पंजीकरण संख्या और वह नाम लिखना चाहिए जैसा कि पंजीकरण प्रमाण पत्र में लिखा गया है।
- यदि एक से अधिक वस्तुओं का विनिर्माण होता है, तो जहां भी जरूरी हो, प्रत्येक सारणी में अतिरिक्त पंक्ति बनाई जा सकती है। उत्पादन और निकासी शुल्क के भुगतान और प्राप्ति की गई सेनेट क्रेडिट और इसके माहवार उपयोग का व्यौरा देने के लिए संबंधित सारणी की ही प्रतिकृति बनाई जानी चाहिए।
- यदि किसी विशेष उत्पाद पर एक से अधिक दर पहले शुल्क लगाया जाता है तो, सभी दरों का अलग-अलग उल्लेख होना चाहिए।

उदाहरणार्थः यदि किसी उत्पाद का स्थानीय बाजार के लिए पूर्ण शुल्क दर पर निकासी कर दिया जाता है और शुक्रम्प पीड़ितों के सहायतार्थ कोई रिआयती/शून्य दर लगाई जाती है तो प्रत्येक वर्ग के निकासी का अलग-अलग उल्लेख होना चाहिए।

- यदि माल को निर्यात के लिए किसी बंधपत्र या लेटर आफ अण्डरटेकिंग के अंतर्गत निकासी किया गया है तो निकासी का व्यौरा अलग से उल्लिखित किया जाए। सारणी के कालम (8) और (9) के अंतर्गत क्रम सं.3 में शब्द “बंध-पत्र के अंतर्गत निर्यात” लिखे जाएं।

5. यदि मध्यवर्ती माल को बड़े करदाताओं द्वारा नियम 12ख ख के उपनियम (1) के अंतर्गत निकासी कराया जाता है तो ऐसे निकासी को अलग से दर्शाया जाना चाहिए। सारणी के कालम (8) और (9) के अंतर्गत क्रम सं.3 में “नियम 12ख ख (1) के अंतर्गत बड़े कर दाता द्वारा अंतर ईकाई स्थानांतरण” शब्द लिखे जायें। ऐसे अंतर ईकाई स्थानांतरणों के मूल्य को लिखे जाने की कोई जरूरत नहीं है।

- क्र.सं.4 और 5 के व्यौरों को केवल केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियमावली, 2002 के नियम 2 के उपनियम (ड.क) के अंतर्गत परिभाषित उन्हीं बड़े करदाताओं द्वारा दिया जाना है जिन्होंने मध्यवर्ती माल जिनका या तो स्थानांतरण हुआ है या प्राप्त हुए हैं, का व्यौरा बड़ी करदाता ईकाई के तहत देने का विकल्प भरा है।

- यदि किसी विशेष उत्पाद पर एक ही माह के भीतर शुल्क की विभिन्न दरें लागू होती हैं तो इसका व्यौरा अलग-अलग दर्शाया जाना चाहिए।

उदाहरणार्थः किसी महीने की 10 तारीख को, किसी उत्पाद पर लगाये जाने वाले शुल्क की प्रभावी दर बदल जाती है तो उत्पादन, निकासी और शुल्क के भुगतान का व्यौरा महीने की 9 तारीख तक का सदा 10 तारीख से लेकर महीने के अंत तक का अलग-अलग दर्शाया जाना चाहिए।

- आठ अंकों वाली सेस्टस संख्या को बिना किसी दशमलव बिन्दु के दर्शाया जाना चाहिये।
- जहां कहीं भी मात्रा के कोड प्रकट हों, उनका शब्द संक्षेप लिखें जैसा कि नीचे दिया गया है।

मात्रा	संक्षेप	मात्रा	संक्षेप
सेंटीमीटर	cm	मीटर	m
घन सेन्टीमीटर	cm ³	वर्ग मीटर	m ²
घन मीटर	m ³	मिलीमीटर	mm
ग्राम	g	मैट्रिक टन	mt
किलोग्राम	Kg	जोड़ा सं.	pa

किलो मीटर	K1	किव्हिष्टल	q
लीटर	1	टन	t
हजार संख्या में	Tu	नम्बर	u

10. जहां पर कोई शुल्क विनिर्दिष्ट है और एक विशेष ईकाई मात्रा के आधार पर आरित किया जाता है, वहां निकासी के आकड़ों को दर्शाते समय उसी मात्रा कोड का प्रयोग किया जाना चाहिये ।

11. सारणी के कालम 6 में क्र.सं.3 पर, निर्धारण योग्य मूल्य से अभिप्राय-

(क) जहां कि माल पर मूल्यानुसार दर से शुल्क लगाया जाता है, ऐसे मूल्य से है जो केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम 1944 (1944 का 1) की धारा 4 के अंतर्गत आकलित किया गया है।

(ख) जहां कि माल इस अधिनियम की धारा 4क के अंतर्गत आता है, ऐसे मूल्य से हैं जो कि इस अधिनियम की धारा 4क के अनुसार कटौती किये जाने के पश्चात् एम आर पी के अंतर्गत निकाला गया है।

(ग) ऐसे माल के बारे में जिनका टैरिफ मूल्य निर्धारित किया जा चुका है, उस निकाले गये टैरिफ मूल्य से है।

(घ) विशेष दर वाले माल के मामले में, सभी करों को छोड़कर माल के सकल बीजक मूल्य से है।

(ड.) मूल्यानुसार और विशेष शुल्क के संयोजन के मामले में, इस अधिनियम की धारा 4 के अंतर्गत होने वाले संव्यवहार मूल्य से है।

(च) बंधपत्र के अंतर्गत निर्यात के मामले में ए आर ई-1/ए आर ई-2/बीजक मूल्य से है।

किसी विशेष प्रकार के कर को प्रदर्शित करने के लिए प्रयोग किये जाने वाले शब्द संक्षेपों और अभिव्यक्तियों को नीचे दिया गया है-

सेनेट- केन्द्रीय उत्पाद शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की प्रथम अनुसूची के अनुसार लगाया जाने वाला उत्पाद शुल्क

एस ई डी- केन्द्रीय उत्पाद शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की द्वितीय सूची के अनुसार लगाई जाने वाली स्पेशल एक्साइज इयूटी

एन सी सी डी- वित्त अधिनियम, 2001 (यथा संशोधित) की धारा 136 के अंतर्गत लगायी जाने वाली नेशनल कलामिटी कन्ट्रिंजेंट इयूटी

ए ई डी (टी टी ए)- एडिशनल इयूटीज आफ एक्साइज (टेक्सटाइल एंड टेक्सटाइल आर्टिकल्स) एक्ट 1978 (1978 का 40) के अंतर्गत लगाया जाने वाला अतिरिक्त उत्पाद शुल्क

एस ए ई डी- वित्त अधिनियम, 2002 की धारा 147 के अंतर्गत लगायी जाने वाली स्पेशल एडिशनल एक्साइज इयूटी

ए डी ई- वित्त (सं.2) अधिनियम, 1998 की धारा 111 और वित्त अधिनियम, 1999 की धारा 133 के अंतर्गत कमशः मोटर स्पिरिट और हाई स्पीड डीजल पर लगाया जाने वाला अतिरिक्त उत्पाद शुल्क

ए डी ई विशेष उत्पादों पर- वित्त विधेयक, 2005 के उपवाक्य 85 के अंतर्गत विशेष उत्पादों पर लगाया जाने वाला अतिरिक्त उत्पाद शुल्क

उत्पाद शुल्केय माल पर शिक्षा उपकर- वित्त (सं.2) अधिनियम, 2004 (2004 का 23) की धारा 93 के साथ पठित धारा 91 के अंतर्गत उत्पाद शुल्केय माल पर लगाया जाने वाला शिक्षा उपकर

सेवा कर- वित्त अधिनियम, 1994 (1994 का 32) की धारा 66 के अंतर्गत लगाया जाने वाला सेवाकर

उपकर- विभिन्न उपकर अधिक्रियमों के अंतर्गत लगाया जाने वाला उपकर

12. सारणी में क्र.सं. 3 और 6 में भुगतान किये गये या भुगतान योग्य 'अन्य शुल्क' को निम्नलिखित क्रम से लिखा जाना चाहिए :-

एस ई डी					
एन सी सी डी					
ए ई डी (टी टी ए)					
एस ए ई डी					
ए डी ई					
वित्त अधिनियम, 2005 के उपवाक्य 85 के अंतर्गत विशिष्ट उत्पादों पर लगाये गये ए डी ई					
उत्पाद शुल्केय माल पर शिक्षा उपकर					
उपकर					

13. सारणी में कालम (10) में क्र.सं; 3 पर शुल्क की प्रभावी दर प्रदर्शित करें। जो कालम लागू न हो उसे खाली छोड़ दिया जाय।

14. कम्पाउण्डेड लेवी स्कीम के अंतर्गत निकासी किये गये माल के बारे में कम्पाउण्डेड लेवी स्कीम के अनुसार सारणी के कालम 12 में क्रम सं. 3 पर भुगतान योग्य सकल शुल्क को सूचित करें। जो कालम लागू न हो उसे खाली छोड़ दिया जाय।

15. यदि माल का आकलन अनंतिम तौर पर किया जाता है तो इसका ब्यौरा अलग से सारणी के क्र.सं.3 में दिया जाना चाहिये। सारणी के कालम (13) में क्र.सं.3 पर अद्वितीय पहचान संख्या लिखी जाय जिससे कि अनंतिम आकलन किया जा सके।

16. शुल्क के भुगतान के लिये चालान का ब्यौरा सारणी के क्रम सं. 6 में लिखा जाना चाहिये। सारणी के क्र.सं.9 में, अपीलीय इलाज के लिए शुल्क की पूर्व जमा, निपटान आयोग के पास जाने के लिये देय का भुगतान करने के लिये और अन्य प्रकार के भुगतानों के लिये अलग-अलग चालानों का प्रयोग किया जाना चाहिए।

17. सारणी के कालम (5) में क्र.सं. 9 पर मूल आदेश नम्बर को तथा बकाया शुल्क और ब्याज के भुगतान की तारीख को और उस अवधि के उल्लिखित करें जिसके लिए ब्याज का भुगतान किया गया है। अन्य विविध भुगतानों के लिये स्रोत दस्तावेज की संख्या और तारीख उल्लिखित करें।

18. सारणी के क्र.सं.6 और 9 पर, बैंक शाखा का बी एस आर कोड लिखे और वह तारीख लिखें जब से ये निर्देश लागू हुए हैं।

19. अतिरिक्त सूचना केवल उन्हीं बड़े करदाताओं द्वारा दी जानी है जो केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियमावली, 2002 के नियम 2 के उपनियम (ड. क) के अंतर्गत परिभाषित हैं और जिन्होंने बड़े करदाता के रूप में काम करने का विकल्प भरा है जिन्हें एस्टेरिक्स* से दर्शाया गया है।

(ख) माल के उत्पादन और उसको निकालने तथा अन्य सुसंगत व्यौरे और सेनवेट क्रेडिट की त्रैमासिक रिटर्न के लिए, किसी वित्तीय वर्ष में निकासी मूल्य के आधार पर अधिसूचना के अंतर्गत छूट प्राप्त करने के लिए मात्र निर्धारिती द्वारा निम्नलिखित प्रपत्र का प्रयोग किया जायेगा:-

प्रपत्र ई.आर.3

मूल/प्रतिलिपि

(केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियमावली, 2002 का नियम 12 और सेनवेट क्रेडिट रूल्स 2004 का नियम 9(7) देखें)

तिमाही वर्ष

तिमाही महीनों के उत्पाद शुल्केय माल का रिटर्न और सेनवेट क्रेडिट की प्राप्ति
अप्रैल-जून/जुलाई-सितम्बर/अक्टूबर-दिसम्बर/जनवरी-मार्च

1. पंजीकरण सं.

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

2. निर्धारिती का नाम

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

3. विनिर्माण, निकासी और देय भुगतान योग्य शुल्क का व्यौरा:-

सेस्टस (CETSH) सं.	माल का विभरण	मात्रा की ईकाई	विनिर्मित मात्रा	निकासी की गई मात्रा	निर्धारणीय मूल्य
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)

शुल्क	लागू अधिसूचना में क्र.सं.	अधिसूचना में क्र.सं.	शुल्क की दर (मूल्यानुसार)	शुल्क की दर विनिर्दिष्ट	भुगतान योग्य शुल्क	अनंतिम आकलन सं. (यदि कोई हो)
(7)	(8)	(9)	(10)	(11)	(12)	(13)
सेनवेट						
अन्य शुल्क						

4. उत्पाद शुल्कों माल द्वारा भुगतान किये गये शुल्क का व्यौरा:-

शुल्क का कोड	क्रेडिट खाता	चालू खाता (रु.)	चालौन	बी एस आर कोड	भुगतान किया गया कुल शुल्क (2+3)

			सं.	तारीख		
(1)	(2)	(3)	(4क)	(4ख)	(5)	(6)
सेनेट						
अन्य आयुक्त						

5. चालू खाता का सार (नकद भुगतान)

संक्षिप्त व्यौरा	राशि रूपये में
(1)	(2)
प्रारम्भिक शेष	
जमा: टी आर-6/जीएआर-7 इस तिमाही में किया गया चालान भुगतान (कुल योग में)	
उपलब्ध कुल राशि	
घटा: इस तिमाही के दौरान उत्पाद शुल्केय माल पर इयूटी शुल्क के भुगतान के लिए किया गया उपयोग (देखें: रिटर्न क्र.सं.(4) में कालम 3के अंतर्गत दिया गया व्यौरा)	
घटा: इस तिमाही के दौरान किये गये अन्य भुगतान के लिए किया गया उपयोग (देखें-रिटर्न के क्रम.सं.(7) के अंतर्गत दिया गया व्यौरा)	
अंतिम शेष	

6. लिये गये सेनेवेट क्रेडिट और उसके उपयोग का व्यौरा

लिया गया क्रेडिट								
चरण-। या ॥ के डीलरों द्वारा जारी किये गये बीजकों के आदानों पर लिया गया क्रेडिट								
आयातित आदानों पर लिया गया क्रेडिट								
विनिर्मा- ताओं द्वारा या चरण-। या ॥ के डीलरों द्वारा जारी किये गये बीजकों के पूंजीगत माल पर लिया गया क्रेडिट								
आयातित पूंजीगत माल पर लिया गया क्रेडिट								
आदान सेवाओं पर लिया गया क्रेडिट								
उपलब्ध कुल क्रेडिट								
माल पर								

शुल्क के भुगतान के लिए उपयोग में लाई गई क्रेडिट							
अपने मूल रूप में निकाले जाने वाले आदान एवं पूँजीगत माल के लिए उपयोग हीने वाला क्रेडिट							
सेवाओं पर कर का भुगतान करने के लिए उपयोग किया गया क्रेडिट							
अंतिम क्रेडिट							

7. किये गये अन्य भुगतानों का व्यौरा:-

भुगतान	भुगतान की गई राशि (रु.)	चालान			बी एस आर कोड	स्रोत दस्तावेज	
	चलू खाता	क्रेडिट खाता	सं.	तारीख		सं.	तारीख
(1)	(2क)	(2ख)	(3क)	(3ख)	(4)	(5क)	(5ख)
नियम 8 के अंतर्गत							

बकाया शुल्क									
अन्य बकाया शुल्क									
नियम 8 के अंतर्गत भुगतान किया गया ब्याज									
भुगतान किया गया अन्य ब्याज									
विविध भुगतान									

8. स्वेच्छाल्यांकन जापन:-

(क) मैं एतद्वारा घोषणा करता/करती हूँ कि इस रिटर्न में दी गई जानकारी हर प्रकार से सत्य, सही और पूर्ण है और निर्धारिती की ओर से हस्ताक्षर किये जाने के लिए मैं प्राधिकृत हूँ।

(ख) इस तिमाही के दौरान कुल रुपये टी आर 6 चालान के माध्यम से जमा किये गये (प्रतियां संलग्न)।

(ग) इस तिमाही के दौरान क्र.सं. से क्र.सं. तक बीजक जारी किये गये।

स्थान:

तारीख:

(निर्धारिती या प्राधिकृत हस्ताक्षरी का नाम)

पावती

तिमाही वर्ष

अप्रैल-जून/जुलाई-सितम्बर/अक्टूबर-दिसम्बर/जनवरी-मार्च माह से संबंधित उत्पाद शुल्केय माल का रिटर्न और सेनेवेट क्रेडिट की प्राप्ति					
--	--	--	--	--	--

दिन महीना वर्ष

प्राप्ति की तरीख					
------------------	--	--	--	--	--

(रेंज अधिकारी का नाम और हस्ताक्षर तथा सरकारी मुहर)

निर्देश

- 15 अंकीय पेन आधारित पंजीकरण संख्या तथा नाम उसी रूप में उल्लेख करें जैसा कि पंजीकरण प्रमाण पत्र में दर्शाया गया है।
- यदि एक से अधिक वस्तुओं का विनिर्माण होता है, तो जहां भी जरूरी हो, प्रत्येक सारणी में अतिरिक्त पंक्ति बनाई जा सकती है।
- यदि किसी विशेष उत्पाद पर एक से अधिक दर पर शुल्क लगाया जाता है तो, सभी दरों का अलग-अलग उल्लेख होना चाहिए।

उदाहरणार्थ यदि किसी उत्पाद का स्थानीय बाजार के लिए पूर्ण शुल्क दर पर निकासी कर दिया जाता है और भुकम्प पीड़ितों के सहायतार्थ कोई रिआयती/शून्य दर लगाई जाती है तो प्रत्येक वर्ग की निकासी का अलग-अलग उल्लेख होना चाहिए।

- यदि माल को निर्यात के लिए किसी बंधपत्र के अंतर्गत निकाला गया है तो निकासी का व्यौरा अलग से उल्लिखित किया जाए। सारणी के कालम (8) और (9) के अंतर्गत क्रम सं.3 में शब्द “बंध-पत्र के अंतर्गत निर्यात” लिखे जाएं।

- यदि किसी विशेष उत्पाद पर एक ही तिमाही के भीतर शुल्क की विभिन्न दरें लागू होती हैं तो इसका व्यौरा अलग-अलग दर्शाया जाना चाहिए।

उदाहरणार्थ: अप्रैल-जून तिमाही की 20 अप्रैल को किसी उत्पाद पर लगाये जाने वाले शुल्क की प्रभावी दर बदल जाती है तो उत्पादन, निकासी और शुल्क के भुगतान का व्यौरा अप्रैल-जून तिमाही की 1 अप्रैल से 19 अप्रैल के अवधि का तथा 20 अप्रैल से लेकर 30 जून के अवधि का अलग-अलग दर्शाया जाना चाहिए।

- आठ अंकों वाली सेस्टस संख्या को बिना किसी दशमलव बिन्दु के दर्शाया जाना चाहिये।

- जहां कही भी मात्रा के कोड प्रकट हों, उनका संक्षेप लिखें, जैसा कि नीचे दिया गया है।

मात्रा	संक्षेप	मात्रा	संक्षेप
मीट्रीमीटर	cm	मीटर	m
घन सेन्टीमीटर	cm ³	वर्ग मीटर	m ²
घन मीटर	m ³	मिलीमीटर	mm
ग्राम	g	मैट्रिक टन	mt
किलोग्राम	Kg	जोड़ा सं.	pa
किलो मीटर	K1	किवटल	q
लौटर	1	टन	t
हजार संख्या में	Tu	नम्बर	u

- जहां पर कोई शुल्क विनिर्दिष्ट है और एक विशेष ईकाई मात्रा के आधार पर भारित किया जाता है तो निकासी आकड़ों को दर्शाते समय उसी मात्रा के कोड का प्रयोग किया जाना चाहिये।

- सारणी के कालम 6 में क्र.सं.3 पर, निर्धारण योग्य मूल्य से अभिप्राय-

(क) जहां कि माल पर मूल्यानुसार दर से शुल्क लगाया जाता है, ऐसे मूल्य से है जो केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम् 1944 (1944 का 1) की धारा 4 के अंतर्गत आकलित किया गया है।

(ख) जहां कि माल इस अधिनियम की धारा 4क के अंतर्गत आता है, ऐसे मूल्य से है जो कि इस अधिनियम की धारा 4 के अनुसार कटौती किये जाने के पश्चात् एम आर पी के अंतर्गत निकाला गया है।

(ग) ऐसे माल के बारे में जिनका टैरिफ मूल्य निर्धारित किया जा चुका है, उस निकाले गये टैरिफ मूल्य से है।

(घ) विशिष्ट दर वाले माल के मामले में, सभी करों को छोड़कर माल के सकल बीजक मूल्य से है।

(ड) मूल्यानुसार और विशेष शुल्क के संयोजन के मामले में, इस अधिनियम की धारा 4 के अंतर्गत होने वाले संव्यवहार मूल्य से है।

(च) बंधपत्र के अंतर्गत निर्यात के मामले में ए आर ई-1/ए आर ई-2/बीजक मूल्य से है।

किसी विशेष प्रकार के कर को प्रदर्शित करने के लिए प्रयोग किये जाने वाले शब्द संक्षेपों और अभिव्यक्तियों को नीचे दिया गया है-

सेनेट- केन्द्रीय उत्पाद शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की प्रथम अनुसूची के अनुसार लगाया जाने वाला उत्पाद शुल्क

एस ई डी- केन्द्रीय उत्पाद शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की द्वितीय सूची के अनुसार लगाई जाने वाली स्पेशल एक्साइज इयूटी

एन सी सी डी- वित अधिनियम, 2001 (यथा संशोधित) की धारा 136 के अंतर्गत लगायी जाने वाली नेशनल कलामिटी कन्ट्रिंजेंट डिपूटी

ए ई डी (टी टी ए)- एडिशनल डिपूटीज आफ एक्साइज (टेक्सटाइल एंड टेक्सटाइल आर्टिकिल्स) एक्ट 1978 (1978 का 40) के अंतर्गत लगाया जाने वाला अतिरिक्त उत्पाद शुल्क

एस ए ई डी- वित अधिनियम, 2002 की धारा 147 के अंतर्गत लगायी जाने वाली स्पेशल एडिशनल एक्साइज डिपूटी

ए डी ई- वित (सं.2) अधिनियम, 1998 की धारा 111 और वित अधिनियम, 1999 की धारा 133 के अंतर्गत कमशः मोटर स्पिरिट और हाई स्पीड डीजल पर लगाया जाने वाला अतिरिक्त उत्पाद शुल्क

ए डी ई, विशिष्ट उत्पादों पर- वित विधेयक, 2005 के उपवाक्य 85 के अंतर्गत विशिष्ट उत्पादों पर लगाया जाने वाला अतिरिक्त उत्पाद शुल्क

उत्पाद शुल्केय माल पर शिक्षा उपकर- वित (सं.2) अधिनियम, 2004 (2004 का 23) की धारा 93 के साथ पठित धारा 91 के अंतर्गत उत्पाद शुल्केय माल पर लगाया जाने वाला शिक्षा उपकर सेवा कर- वित अधिनियम, 1994 (1994 का 32) की धारा 66 के अंतर्गत लगाया जाने वाला सेवा कर

उपकर- विभिन्न उपकर अधिनियमों के अंतर्गत लगाया जाने वाला उपकर

10. सारणी में क्र.सं. 3 और 6 में भुगतान किये गये या भुगतान योग्य 'अन्य शुल्क' को निम्नलिखित क्रम से लिखा जाना चाहिए :-

एस ई डी				
एन सी सी डी				
ए ई डी (टी ई ए)				
एस ए ई डी				
ए डी ई				
वित्त अधिनियम, 2005 के उपवाक्य 85 के अंतर्गत विशिष्ट उत्पादों पर लगाये गये ए डी ई				
उत्पाद शुल्केय माल पर शिक्षा उपकर				
उपकर				

11. सारणी में कालम (10) में क्र.सं. 3 पर शुल्क की प्रभावी दर प्रदर्शित करें। जो कालम लागू न हो उसे खाली छोड़ दिया जाय।

12. यदि माल का आकलन अनंतिम तौर पर किया जाता है तो इसका ब्यौरा अलग से सारणी के क्र.सं.3 में दिया जाना चाहिये। सारणी के कालम (13) में क्र.सं.3 पर अद्वितीय पहचान संख्या लिखी जाय जिससे कि अनंतिम आकलन किया जा सके।

13. शुल्क के भुगतान के लिये चालान का ब्यौरा सारणी के क्रम सं. 4 में लिखा जाना चाहिये। सारणी के क्र.सं.7 में, अपीलीय ईलाज के लिए, निपटान आयोग के पास जाने के लिये देय का भुगतान करने के लिये और अन्य प्रकार के भुगतानों के लिये पूर्व जमा शुल्क के लिये चालानों का अलग से प्रयोग किया जाना चाहिए।

14. सारणी के कालम (5) में क्र.सं. 7 पर मूल आदेश नम्बर को तथा बकाया शुल्क और ब्याज के भुगतान की तारीख को और उस अवधि के उल्लिखित करें जिसके लिए ब्याज का भुगतान किया गया है। अन्य विविध भुगतानों के लिये स्रोत दस्तावेज की संख्या और तारीख उल्लिखित करें।

15. सारणी के क्र.सं.4 और 7 पर, बैंक शाखा का बी एस आर कोड लिखे और वह तारीख लिखें जब से ये निर्देश लागू हुए हैं।

(ग) यह अधिसूचना 1 अक्टुबर, 2011 से प्रवर्तित होगी।

[फा. सं. 201/06/2010-सी एक्स-6]

वी. पी. सिंह, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Revenue)
NOTIFICATION

New Delhi, the 18th July, 2011

No. 16/2011-Central Excise (N.T.)

G.S.R. 541(E).—In exercise of the powers conferred by rule 12 of the Central Excise Rules, 2002 and sub-rule (7) of rule 9 of the CENVAT Credit Rules, 2004 and in supersession of the notification of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue), number 23/2006-Central Excise (N.T.) dated the 12th October, 2006, published *vide* G.S.R. 630(E), dated the 12th October, 2006, the Central Board of Excise and Customs hereby specifies the following Forms for the purposes of the said rules, namely :—

(A) for monthly return for production and removal of goods and other relevant particulars and CENVAT credit, the following form shall be used, namely:-

Form E.R.1

Original/Duplicate

(See Rule 12 of the Central Excise Rules, 2002 and rule 9 (7) of CENVAT Credit Rules, 2004)

M M Y Y Y Y

Return of excisable goods and availment of CENVAT credit for the Month

Large Taxpayer Unit opted for (name of the city)*:

1. Registration number

2. Name of the Assessee

3. Details of the manufacture, clearance and duty payable.

CETSH NO.	Description of goods	Unit of quantity	Quantity manufactured	Quantity cleared	Assessable Value (Rs.)
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)

Duty	Notification availed	Serial number in Notification	Rate of duty (adv)	Rate of duty (specific)	Duty payable	Provisional assessment number (if any)
(7)	(8)	(9)	(10)	(11)	(12)	(13)
CENVAT						
Other Duties						

4. Clearance details of inter unit transfer of intermediate goods without payment of duty under sub-rule (1) of rule 12BB*.-

Registration number of the recipient unit	Name and address of the recipient premises	CETSH NO.	Description of goods sent	Unit of Quantity	Quantity cleared
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)

5. Receipt details of intermediate goods received from other premises under sub-rule (1) of rule 12BB*.-

Registration number of sender premises	Name and address of the sender premises	CETSH NO.	Description of goods received	Unit of Quantity	Quantity received
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)

6. Details of duty paid on excisable goods.-

Duty code	Credit Account	Account	Challan	BSR	Total duty

	(Rs)	Current (Rs.)					code	paid (2+3)
			No.	date				
(1)	(2)	(3)	(4A)	(4B)			(5)	(6)
CENVAT								
Other Duties								

7. Abstract of ACCOUNT-CURRENT (Cash payment).-

Summary particulars	Amount in Rs.
(1)	(2)
Opening Balance	
Add: TR-6/ GAR-7 Challan payments made in the month (in aggregate)	
Add*: Adjustment of the excess duty paid during previous period under sub rule (2) of rule 12BB (in case of LT)	
Total amount available	
Less: Utilization towards Payment of duties on excisable goods during the month (vide. Details furnished under col. no. 3 in Sl.No. (6) of the Return)	
Less Utilization towards Other Payments made during the month (vide. Details furnished under Sl.No. (9) of the Return)	
Closing balance	

8. Details of CENVAT credit taken and utilized.-

Details of credit	CENVAT (Rs)	AED (TPA) (Rs)	NCCD (Rs)	ADE levied under clause 85 of Finance Act, 2005 (Rs)	Additional duty of customs levied under section 3 (5) of the Customs Tariff Act, 1975	Education Cess on excisable goods (Rs)	Service Tax (Rs)	Education Cess on taxable services (Rs)

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
Opening balance								
Credit taken on inputs on invoices issued by manufacturers								
Credit taken on inputs on invoices issued by I or II stage dealers								
Credit taken on imported inputs								
Credit taken on capital goods on invoices issued by manufacturers or by I or II stage dealers								
Credit taken on imported capital goods								

	D	D	M	M		Y	Y	Y	Y
Date of Receipt									

(Name and Signature of the Range Officer with Official Seal)

INSTRUCTIONS

1. The large taxpayer may indicate the Large Taxpayer Unit authority viz. Delhi, Mumbai, Kolkata, Bangalore or Chennai under which the large taxpayer has opted. Indicate the 15-digit PAN based registration number and the name as appearing in the Registration Certificate
2. In case more than one item is manufactured, additional row may be inserted in each table, wherever necessary. For giving information about the details of production and clearance, payment of duty and CENVAT credit availed and utilised month wise, the respective tables may be replicated.
3. If a specific product attracts more than one rate of duty, then all the rates should be mentioned separately. For example: If a product is cleared at full rate of duty to the local market and at a concessional /nil rate of duty for earthquake relief, then the details for each category of clearance must be separately mentioned.
4. In case the goods are cleared for export under Bond or Letter of undertaking, the details of clearance may be mentioned separately. Under the columns (8) and (9) of table at serial number 3, the words 'Export under Bond' may be mentioned.
5. In case the intermediate goods are cleared by a large taxpayer under sub rule (1) of rule 12BB, the details of such clearances may be mentioned separately. Under columns (8) and (9) of the table at serial number 3, the words 'inter unit transfer by large taxpayer under rule 12BB (1)' may be mentioned. There is no need to give the value for such inter unit transfers.
6. Details at serial number 4 and 5 are to be provided only by a large taxpayers defined under sub-rule (ea) of rule 2 of the Central Excise Rules, 2002 who have opted to operate as large taxpayer to provide break up of the intermediate goods that are either transferred or received.
7. If a specified product attracts different rates of duty within the same month, then

Payments	Amount paid (Rs)		Challan		BSR code	Source document	
	Account current	Credit Account	No.	date		No	date
(1)	(2A)	(2B)	(3A)	(3B)	(4)	(5A)	(5B)
Arrears of duty under rule 8							
Other arrears of duty							
Interest payment under rule 8							
Other interest payments							
Misc. payments							

10. Self-Assessment Memorandum.-

a) I hereby declare that the information given in this return is true, correct and complete in every respect and that I am authorised to sign on behalf of the assessee.

b) During the month, total Rs. _____ was deposited vide TR6 Challans (copies enclosed).

c) During the month, invoices bearing S.No. _____ to _____ were issued.

d) During the month, transfer challans under rule 12BB of the Central Excise Rules, 2002 bearing S. No. _____ to _____, and transfer challan under rule 12A of the CENVAT Credit Rule, 2004 bearing S. No. _____ to _____ were issued. *

(Name of the Assessee or Authorised signatory)

Place:

Date:

*Applicable only for large taxpayers defined under Rule 2 (ea) of the Central Excise Rules, 2002 and who has opted to operate as Large Taxpayer.

ACKNOWLEDGMENT

Return of excisable goods and availment of CENVAT credit for the month of	M	M	Y	Y	Y	Y
---	---	---	---	---	---	---

	D	D	M	M	Y	Y	Y	Y
Date of Receipt								

(Name and Signature of the Range Officer with Official Seal)

INSTRUCTIONS

1. The large taxpayer may indicate the Large Taxpayer Unit authority viz. Delhi, Mumbai, Kolkata, Bangalore or Chennai under which the large taxpayer has opted. Indicate the 15-digit PAN based registration number and the name as appearing in the Registration Certificate
2. In case more than one item is manufactured, additional row may be inserted in each table, wherever necessary. For giving information about the details of production and clearance, payment of duty and CENVAT credit availed and utilised month wise, the respective tables may be replicated.
3. If a specific product attracts more than one rate of duty, then all the rates should be mentioned separately.

For example: If a product is cleared at full rate of duty to the local market and at a concessional /nil rate of duty for earthquake relief, then the details for each category of clearance must be separately mentioned.

4. In case the goods are cleared for export under Bond or Letter of undertaking, the details of clearance may be mentioned separately. Under the columns (8) and (9) of table at serial number 3, the words 'Export under Bond' may be mentioned.
5. In case the intermediate goods are cleared by a large taxpayer under sub rule (1) of rule 12BB, the details of such clearances may be mentioned separately. Under columns (8) and (9) of the table at serial number 3, the words 'inter unit transfer by large taxpayer under rule 12BB (1)' may be mentioned. There is no need to give the value for such inter unit transfers.
6. Details at serial number 4 and 5 are to be provided only by a large taxpayers defined under sub-rule (ea) of rule 2 of the Central Excise Rules, 2002 who have opted to operate as large taxpayer to provide break up of the intermediate goods that are either transferred or received.
7. If a specified product attracts different rates of duty, within the same month, then such details should be separately mentioned.

For example: On the 10th of a month, the effective rate of duty leviable for the product is changed, then the details relating to production, clearance and payment of duty need to be mentioned separately for the period up to 9th of the month and from 10th to the end of the month.

8. 8-digit CETSH Number may be indicated without any decimal point.
9. Wherever quantity codes appear, indicate relevant abbreviations as given below.

Quantities	Abbreviations	Quantities	Abbreviations
Centimetre(s)	cm	Metre(s)	m
Cubic centimetre(s)	cm ³	Square metre(s)	m ²
Cubic metre(s)	m ³	Millimetre(s)	mm
Gram(s)	g	Metric tonne	mt
Kilogram	kg	Number of pairs	pa
Kilolitre	kl	Quintal	q
Litre(s)	l	Tonne(s)	t
Thousand in number	Tu	Number	u

10. Where the duty is specific and is charged based on specified unit quantity, the same quantity code must be used for showing clearance figures.

11. In column (6) of Table at serial number 3, the assessable value means,

- (a) where goods attract advalorem rate of duty, the value under section 4 of Central Excise Act, 1944 (1 of 1944);
- (b) where goods are covered under section 4A of the Act, the assessable value as worked out under MRP after allowing deductions as provided under section 4A of the Act;
- (c) in case of goods for which the tariff value is fixed, such tariff value;
- (d) in case of specific rated goods, the aggregated invoice value of the goods excluding all taxes;
- (e) in case of combination of advalorem and specific duties, the transaction value under section 4 of the Act;
- (f) in case of exports under Bond, the ARE-1/ARE-2/invoice value.

The abbreviations and expressions used to denote a particular type of duty are as below:

CENVAT- Duty of Excise leviable as per First Schedule to Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986).
SED- Special Excise Duty leviable as per Second Schedule to Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986).

NCCD- National Calamity Contingent Duty leviable under section 136 of the Finance Act, 2001(as amended).

AED (TTA)- Additional Duty of Excise leviable under Additional Duties of Excise (Textile and Textile Articles) Act, 1978 (40 of 1978).

SAED- Special Additional Excise Duty leviable under section 147 of the Finance Act, 2002.

ADE- Additional duty of Excise on Motor Spirit and High Speed Diesel leviable under section 111 of the Finance (No. 2) Act, 1998 and section 133 of the Finance Act, 1999 respectively.

ADE on specified products- ADE on specified products as levied under Clause 85 of the Finance Bill, 2005.

Education Cess on excisable goods- Education Cess on excisable goods leviable under section 91 read with section 93 of Finance (No. 2) Act, 2004 (23 of 2004).

Service Tax- Service tax leviable under section 66 of the Finance Act, 1994 (32 of 1994).

Cess- Cess leviable under different Cess enactments.

2672 GI/11-1

12. In Tables at serial numbers 3 and 6 the 'Other duties' paid/payable, as applicable, may be mentioned as per the following sequence.

SED					
NCCD					
AED (TTA)					
SAED					
ADE					
ADE on specified products levied under clause 85 of Finance Act, 2005					
EDUCATION CESS ON EXCISABLE GOODS					
CESS					

13. In column (10) in Table at serial number 3, indicate the effective rates of duty. Columns which are not applicable, may be left blank.

14. Goods cleared under compounded levy scheme, indicate the aggregate duty payable in column (12) of Table at serial number 3 as per the compounded levy scheme. The columns not applicable may be kept blank.

15. In case the goods are assessed provisionally, the details may be given separately in Table at serial number 3. In column (13) of Table at serial number 3, specify the Unique Identification number mentioned in the order for Provisional Assessment.

16. The details of the challans for duty payment should be mentioned in Table at Sr.No. 6. In Table at S.No.9, separate challans should be used for pre-deposit of duty for the purpose of appellate remedy, for paying dues for approaching Settlement Commission and for other payments.

17. In column (5) of Table at serial number 9, specify the Order-in-Original number and date relating to the payment of arrears of duty and of interest, the period for which the said interest has been paid. For other miscellaneous payments, mention the source document number and date.

18. In the Tables at serial numbers 6 and 9, the BSR codes of the Bank branch should be indicated when the instructions to this effect are issued.

19. Additional information required to be given only by a large taxpayer defined under sub-rule (ea) of rule 2 of the Central Excise Rules 2002, who has opted to operate as large taxpayer has been indicated with an asterix*

(B) for quarterly return for production and removal of goods and other relevant particulars and CENVAT credit, by an assessee eligible to avail of the exemption under a notification based on the value of clearances in a financial year, the following form shall be used, namely:-

Form E.R.-3

Original/Duplicate

[See rule 12 of the Central Excise Rules, 2002 and rule 9 (7) of the CENVAT Credit Rules, 2004]

Quarter **Y Y Y Y**

Return of excisable goods and availment of CENVAT credit for the month of April to June, July to September, October to December, January to March.

1. Registration number

2. Name of the Assessee

3. Details of the manufacture, clearance and duty payable.-

CETSH NO.	Description of goods	Unit of quantity	Quantity manufactured	Quantity cleared	Assessable Value (Rs.)
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)

Duty	Notification availed	Serial number in Notification	Rate of duty (adv)	Rate of duty (specific)	Duty payable	Provisional assessment number (if any)
(7)	(8)	(9)	(10)	(11)	(12)	(13)
CENVAT						
Other Duties						

4. Details of duty paid on excisable goods:

5. Abstract of ACCOUNT-CURRENT (Cash payment).-

Summary particulars	Amount in Rs.
(1)	(2)
Opening Balance	
Add: TR-6/ GAR-7 Challan payments made in the quarter (in aggregate)	
Total amount available	
Less: Utilization towards Payment of duties on excisable goods during the quarter (vide. Details furnished under col. no.3 in Sl. No. (4) of the Return)	
Less Utilization towards Other Payments made during the quarter (vide. Details furnished under Sl. No. (7) of the Return)	
Closing balance	

6. Details of CENVAT credit taken and utilized.-

Details of credit	CENVAT (Rs)	AED (TTA) (Rs)	NCCD (Rs)	ADE levied under clause 85 of Finance Act,	Additional duty of customs levied under section 3 (5) of the Customs Tariff Act,	Education Cess on excisable goods (Rs)	Service Tax (Rs)	Education Cess on taxable services (Rs)
-------------------	----------------	----------------------	--------------	--	--	--	------------------------	---

7. Details of other payments made:

Other arrears of duty											
Interest payment under rule 8											
Other interest payments											
Misc. Payments											

8. Self-assessment memorandum:

- a) I hereby declare that the information given in this Return is true, correct and complete in every respect and that I am authorised to sign on behalf of the assessee.
- b) During the quarter, total Rs. _____ was deposited vide TR 6 Challans (copies enclosed).
- c) During the quarter, invoices bearing S. No. _____ to S. No. _____ were issued.

Date:

Place:

Name and signature of Assessee or
Authorised Signatory

ACKNOWLEDGEMENT

Quarter Y Y Y Y

Return of excisable goods and availment of CENVAT credit for the month of April to June, July to September, October to December, January to March.

	D	D	M	M	Y	Y	Y	Y
Date of receipt

Name and Signature of the Range Officer with Official Seal

INSTRUCTIONS

- i. Indicate the 15-digit PAN based registration number and the name as appearing in the Registration

Certificate.

2. In case more than one item is manufactured, additional row may be inserted in each table, wherever necessary.

3. If a specific product attracts more than one rate of duty, then all the rates should be mentioned separately.

For example: If a product is cleared at full rate of duty to the local market and at a concessional /nil rate of duty for earthquake relief, then the details for each category of clearance must be separately mentioned.

4. In case the goods are cleared for export under Bond, the details of clearance may be mentioned separately. Under the columns (8) and (9) of table at serial number 3, the words 'Export under Bond' may be mentioned.

5. If a specified product attracts different rates of duty, within the same quarter, then such details should be separately mentioned.

For example: During the quarter April-June, if the effective rate of duty leviable for the product is changed on 20th April, then in the return for the quarter April-June, the details relating to production, clearance and payment of duty need to be mentioned separately for the period 1st April to 19th April and 20th April to 30th June.

6. 8-digit CETSH Number may be indicated without any decimal point.

7. Wherever quantity codes appear, indicate relevant abbreviations as given below.

Quantities	Abbreviations	Quantities	Abbreviations
Centimetre(s)	cm	Metre(s)	m
Cubic centimetre(s)	cm ³	Square metre(s)	m ²
Cubic metre(s)	m ³	Millimetre(s)	mm
Gram(s)	g	Metric tonne	mt
Kilogram	kg	Number of pairs	pa
Kilolitre	kl	Quintal	q
Litre(s)	l	Tonne(s)	t
Thousand in number	Tu	Number	u

8. Where the duty is specific and is charged based on specified unit quantity, the same quantity code must be used for showing clearance figures.

9. In column (6) of Table at serial number 3, the assessable value means,

(a) where goods attract ad valorem rate of duty, the value under section 4 of Central Excise Act, 1944 (1 of 1944);

(b) where goods are covered under section 4A of the Act, the assessable value as worked out under MRP after allowing deductions as provided under section 4A of the Act;

- (c) in case of goods for which the tariff value is fixed, such tariff value;
- (d) in case of specific rated goods, the aggregated invoice value of the goods excluding all taxes;
- (e) in case of combination of advalorem and specific duties, the transaction value under section 4 of the Act;
- (f) in case of exports under Bond, the ARE-1/ARE-2/invoice value.

The abbreviations and expressions used to denote a particular type of duty are as below:

CENVAT- Duty of Excise leviable as per First Schedule to Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986).

SED- Special Excise Duty leviable as per Second Schedule to Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986).

NCCD- National Calamity Contingent Duty leviable under section 136 of the Finance Act, 2001(as amended).

AED (TTA)- Additional Duty of Excise leviable under Additional Duties of Excise (Textile and Textile Articles) Act, 1978 (40 of 1978).

SAED- Special Additional Excise Duty leviable under section 147 of the Finance Act, 2002.

ADE- Additional duty of Excise on Motor Spirit and High Speed Diesel leviable under section 111 of the Finance (No. 2) Act, 1998 and section 133 of the Finance Act, 1999 respectively.

ADE on specified products- ADE on specified products as levied under Clause 85 of the Finance Bill, 2005.

Education Cess on excisable goods-Education Cess on excisable goods leviable under section 91 read with section 93 of Finance (No. 2) Act, 2004 (23 of 2004).

Service Tax- Service tax leviable under section 66 of the Finance Act, 1994 (32 of 1994).

Cess- Cess leviable under different Cess enactments.

10. In Tables at serial numbers 3 and 4 the 'Other duties' paid/payable, as applicable, may be mentioned as per the following sequence.

SED					
NCCD					
AED(TTA)					
SAED					
ADE					
ADE on specified products levied under clause 85 of Finance Bill, 2005					

EDUCATION CESS					
ON					
EXCISABLE GOODS					

CESS					

11. In column (10) in Table at serial number 3, indicate the effective rates of duty. Columns which are not applicable, may be left blank.

12. In case the goods are assessed provisionally, the details may be given separately in Table at serial number 3. In column (13) of Table at serial number 3, specify the Unique Identification number mentioned in the order for Provisional Assessment.

13. The details of the challans for duty payment should be mentioned in Table at Sr. No. 4. In Table at S.No.7, separate challans should be used for pre-deposit of duty for the purpose of appellate remedy, for paying dues for approaching Settlement Commission and for other payments.

14. In column (5) of Table at serial number 7, specify the Order-in-Original number and date relating to the payment of arrears of duty and of interest, the period for which the said interest has been paid. For other miscellaneous payments, mention the source document number and date.

15. In the Tables at serial numbers 4 and 7, the BSR codes of the Bank branch should be indicated when the instructions to this effect are issued.

(C) This Notification shall come into effect from the 1st day of October, 2011.

[F. No. 201/06/2010-CX-6]

V. P. SINGH, Under Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 18 जुलाई, 2011

सं. 17/2011-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (गै.टै.)

सा.का.नि. 542(अ).—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियमावली, 2002 के नियम 2 के उपनियम (ड.क) तथा सेवा कर नियमावली, 1994 के नियम 2 के उप नियम (गगगग) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार एतद्वारा भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग-II, खंड-3, उपखंड-(i) में सा.का.नि. 609 (अ) सितम्बर, 2006 के जरिए प्रकाशित भारत सरकार के वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग की अधिसूचना सं. 20/2006-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (गै.टै.), दिनांक 30 सितम्बर, 2006 में पुनः निम्नलिखित संशोधन करती है; अर्थात्:-

2. उक्त अधिसूचना में पैरा 3 में मद (iv) में “ऐसे नए पंजीकरण के लिए आवेदन केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के मुद्य आयुक्त, बड़ी करदाता यूनिट” के समक्ष किया जाएगा” शब्दों की जगह “ऐसे नए पंजीकरण के लिए आवेदन केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 के अंतर्गत पंजीकरण के मामले में सहायक आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अथवा उपायुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, बड़ी

करदाता यूनिट और वित्त अधिनियम, 1994 के अंतर्गत पंजीकरण के आमले में अधीक्षक, बड़ी करदाता यूनिट, जैसा मामला हो, के समक्ष किया जाएगा।” शब्द प्रतिस्पापित किए जाएंगे।

[फा. सं. 201/09/2010-सी एक्स-6]

वौ. पी. सिंह, अवर सचिव

टिप्पण : मूल अधिसूचना सं.20/2006-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (गै.टै.), दिनांक 30 सितम्बर, 2006 भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग-भा, खंड-3, उपखंड-(i) में सा.का.नि.609(अ), दिनांक 30 सितम्बर, 2006 के जरिए प्रकाशित हुई थी और इसमें अंतिम बार संशोधन भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग-॥, खंड-3, उपखंड-(i) में (सा.का.नि.421(अ), दिनांक 2 जून, 2008) में प्रकाशित अधिसूचना सं.27/2008-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (गै.टै.), दिनांक 2 जून, 2008 के द्वारा किया गया था।

NOTIFICATION

New Delhi, the 18th July, 2011

No. 17/2011-Central Excise (N.T.)

G.S.R. 542(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (ea) of rule 2 of the Central Excise Rules, 2002, and sub-rule (cccc) of rule 2 of the Service Tax Rules, 1994, the Central Government hereby makes the following further amendment to the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 20/2006-Central Excise (N.T), dated the 30th September, 2006, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i), vide number G.S.R. 609(E), dated the 30th September, 2006, namely :—

2. In the said notification, in paragraph 3, in item (iv), for the words “the application for such new registration shall be made before the Chief Commissioner of Central Excise, Large Taxpayer Unit”, the words “the application for such new registration shall be made before the Assistant Commissioner of Central Excise or the Deputy Commissioner of Central Excise, Large Taxpayer Unit, in case of registration under the Central Excise Act, 1944 and the Superintendent, Large Taxpayer Unit, in case of registration under the Finance Act, 1994, as the case may be.” shall be substituted.

[F. No. 201/09/2010-CX-6]

V. P. SINGH, Under Secy.

Note.- The principal notification No.20/2006-Central Excise (N.T) dated the 30th September, 2006 was published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i), vide number G.S.R. 609(E), dated the 30th September, 2006 and was last amended by notification No.27/2008-Central Excise (N.T) dated the 2nd June, 2008 published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i), vide number G.S.R. 421(E), dated the 2nd June, 2008.